Media Coverage Report

Breakthrough Achieved in 3rd Mountain Tunnel in Palghar District, Maharashtra for Mumbai–Ahmedabad Bullet Train Project dated 2nd June 2026

Report as on 3rd June 2026

Print Media: 22 clippings
Online Media: 24

Times of India, Mumbai, 03/06/2026
Page No: 3, Size: 35.06cm × 33.60cm

BULLET TRAIN PROJECT CHARGES AHEAD
3RD MOUNTAIN TUNNEL CRACKED IN 5 MONTHS

The Mumbai-Ahmedabad Bullet Train project has achieved its fourth mountain tunnel breakthrough with excavation of the 417-metre-long MT-07 tunnel in Palghar district completed on Monday. The breakthrough is the third achieved in Maharashtra within the last five months and leaves just four of the project's eight mountain tunnels awaiting completion. **Manthan K Mehta** reports

LATEST BREAKTHROUGH

MT7 at Ambesari village, Dahanu taluka, Palghar

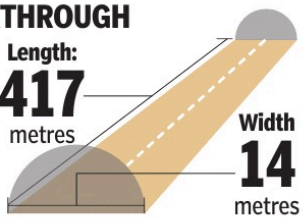

Designed to carry both up and down Bullet Train tracks

HOW THE TUNNEL WAS BUILT

- Excavated using controlled drilling and blasting from both ends
- Real-time monitoring through surface settlement points, 3D targets, strain gauges and seismographs
- Continuous monitoring of vibrations, tunnel behaviour and nearby structures
- Ventilation, fire safety and geotechnical monitoring systems deployed for worker safety

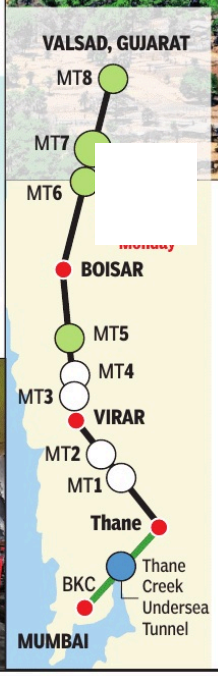

PROJECT'S MOUNTAIN TUNNELS

Total: **8**
In Maharashtra (Palghar) | **7**
In Gujarat (Valsad) | **1**

Breakthroughs achieved

MT8	350 m | Oct 5, 2023
MT5	1.5 km | Jan 5, 2026
MT6	454 m | Feb 6, 2026
MT7	417 m | June 1, 2026

Key milestone
All three mountain tunnels between Boisar & Vapi stations (MT-08, MT-07 & MT-06) have achieved breakthrough

Under construction

MT3
80% completed

MT4
60% completed

MT1 | Work in progress
MT2 | Work in progress

> MT3, in Virar, is likely to be the next tunnel to achieve breakthrough
> --A project official

Indian Express, Mumbai, 03/06/2026
Page No: 5, Size: 22.30cm × 38.02cm

Officials said the breakthrough was achieved at Ambesari village in Dahanu taluka. EXPRESS

MAJOR MILESTONE

Bullet train project achieves 3rd tunnel breakthrough in Palghar

Dheeraj Mishra
New Delhi, June 2

THE MUMBAI-AHMEDABAD High Speed Rail (MAHSR) corridor - India's first Bullet train project - achieved a breakthrough in its third mountain tunnel – and fourth tunnel overall — in Palghar Friday. This marks the major milestone since the tunnels are among the critical stretches of the 508-km corridor.

A tunnel breakthrough is the point or moment when a tunnel being excavated from both ends finally connects, marking the completion of a critical work.

Of the 508-km length of the bullet train project, tunnels comprise 27.4 km. Of these, 21 km make up the underground tunnels while the total length of surface tunnels is 6.4 km. Surface tunnels include eight mountain tunnels, seven of which are in Maharashtra's Palghar (6.05 km) while one is in Gujarat (350 meters).

The mountain tunnel no. 7 (MT-7) is located between Vapi and Boisar stations and it is 417 meters long and 14 meters wide.

Officials said that the breakthrough was achieved at Ambesari village in Dahanu taluka of Palghar district.

"The excavation was carried out using the controlled drilling and blasting method from both ends. Advanced monitoring systems and geotechnical instruments were deployed throughout the excavation process to ensure structural stability and safety," said an official of National High Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL), the implementing agency of the project.

The official further said that Real-time monitoring systems, including Surface Settlement Points (SSP), 3D targets, strain gauges, and seismographs were installed for continuous monitoring of vibrations, tunnel behaviour, and nearby structures during excavation activities.

Earlier the breakthrough on mountain tunnel no 8 and 6 was achieved between Vapi and Boisar stations.

Officials said that other mountain tunnels like MT-04 has achieved nearly 60% progress, MT-03 has crossed 80% excavation progress and MT-02 & MT-01 are progressing steadily.

As of March 2026, the project achieved 68.19% physical progress in Gujarat and 40.66% progress in Gujarat. The first section of the bullet train project from Surat to Bilimora in Gujarat is scheduled to be ready by August 15, 2027. The entire 508-km project is expected to be completed by December 2029.

Free Press Journal, Mumbai, 03/06/2026
Page No: 5, Size: 20.85cm × 16.27cm

Bullet's 3rd tunnel breakthrough

The Mumbai-Ahmedabad Bullet Train Project achieved a milestone with the breakthrough of its third mountain tunnel, a 417mt structure at Ambesari village in Dahanu taluka. The 14.4mt-wide tunnel was excavated by controlled drilling and blasting, with monitoring systems and safety measures ensuring worker safety during construction.

Dabang Dunia, Mumbai, 03/06/2026

Page No: 2, Size: 20.64cm × 9.82cm

मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए महाराष्ट्र के पालघर जिले में तीसरी पर्वतीय सुरंग का ब्रेकथ्रू पूरा किया गया

ठाणे।मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत महाराष्ट्र की तीसरी पर्वतीय सुरंग का ब्रेकथ्रू पालघर जिले के दहाणू तालुका स्थित अंबेसरी गांव में सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है।यह सुरंग 417 मीटर लंबी और 14.4 मीटर चौड़ी है, जिसे बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की अप और डाउन दोनों पटरियों को समायोजित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

सुरंग की खुदाई दोनों सिरों से नियंत्रित ड्रिलिंग एवं ब्लास्टिंग (Controlled Drilling and Blasting) तकनीक का उपयोग करके की गई।

खुदाई कार्य के दौरान संरचनात्मक स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्नत मॉनिटरिंग प्रणालियों और भू तकनीकी उपकरणों का उपयोग किया गया।

खुदाई गतिविधियों के दौरान कंपन, सुरंग के व्यवहार तथा आसपास की संरचनाओं की सतत निगरानी के लिए सरफेस सेटलमेंट पॉइंट्स (SSP), 3D टार्गेट्स, स्ट्रेन गेज और सीस्मोग्राफ सहित रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम स्थापित किए गए।सुरंग के भीतर कार्यरत श्रमिकों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया। इसके

लिए उचित वेंटिलेशन प्रणाली, अग्नि सुरक्षा उपाय, नियंत्रित प्रवेश व्यवस्था तथा निरंतर भू-तकनीकी निगरानी सुनिश्चित की गई।

गुजरात एवं महाराष्ट्र में पर्वतीय सुरंगों (MT) की स्थिति

परियोजना में कुल आठ (08) पर्वतीय सुरंगों में से सात (07) महाराष्ट्र के पालघर जिले में तथा एक (01) गुजरात के वलसाड जिले में स्थित है।

- MT-08 (350 मीटर) का ब्रेकथ्रू 5 अक्टूबर 2023 को पूरा किया गया
- MT-07 (417 मीटर) का ब्रेकथ्रू 1 जून 2026 को पूरा किया गया
- MT-06 (454 मीटर) का ब्रेकथ्रू 3 फरवरी 2026 को पूरा किया गया
- MT-05 (1.5 किमी) का ब्रेकथ्रू 2 जनवरी 2026 को पूरा किया गया
- MT-04 में लगभग 60% कार्य प्रगति हासिल की जा चुकी है
- MT-03 में 80% से अधिक खुदाई कार्य पूरा हो चुका है
- MT-02 और MT-01 का कार्य निरंतर प्रगति पर है

इस पर्वतीय सुरंग की खुदाई पूर्ण होने के साथ ही महाराष्ट्र में पिछले पाँच महीनों के भीतर तीन पर्वतीय सुरंगों का सफलतापूर्वक उत्खनन पूरा किया जा चुका है, जो परियोजना के सबसे जटिल खंडों में से एक में तीव्र प्रगति को दर्शाता है।वापी और बोइसर बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच स्थित सभी तीन पर्वतीय सुरंगों का उत्खनन सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर महाराष्ट्र के बोइसर और गुजरात के वापी के बीच स्थित एक महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र से होकर गुजरता है, जहां निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है।

इन दोनों औद्योगिक शहरों के बीच के मार्ग में तीन (03) पर्वतीय सुरंगें (MT 08, MT 07 एवं MT-06) शामिल हैं।

Ulhas Vikas, Mumbai, 03/06/2026
Page No: 4, Size: 25.56cm × 23.87cm

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन की तीसरी पहाड़ी टनल की खुदाई पूरी

■ 417 मीटर लंबी और 14.4 मीटर चौड़ी सुरंग

मुंबई. देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना के काम को बड़ी सफलता मिली है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की तीसरी टनल की खुदाई को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। यह टनल महाराष्ट्र के पालघर जिले में बनी है। यह सुरंग पालघर जिले के दहानू तहसील के अम्बेसरी गांव में है। यह सुरंग 417 मीटर लंबी और 14.4 मीटर चौड़ी है। इसे बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की आने और जाने, दोनों पटरियों के लिए डिजाइन किया गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अगले साल 15 अगस्त पर बुलेट ट्रेन चलाने का ऐलान किया है। बुलेट ट्रेन सबसे पहले गुजरात की धरती पर चलेगी।

■ कैस हुई इस टनल की खुदाई

नेशनल हाईस्पीड रेल कॉरपोरेशन (NHSRCL) ने एक

आधिकारिक अपडेट में बताया है कि टनल की खुदाई दोनों तरफ से कंट्रोल्ड ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग तरीके से की गई। खुदाई के पूरे काम के दौरान, सुरंग की बनावट की मजबूती और सुरक्षा पक्की करने के लिए, एडवांस्ड मॉनिटरिंग सिस्टम और जियोटेक्निकल उपकरण लगाए गए थे। खुदाई के दौरान होने वाले कंपन, सुरंग के व्यवहार और आस-पास की इमारतों पर लगातार नज़र रखने के लिए, रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम लगाए गए थे। इनमें सरफेस सेटलमेंट पॉइंट्स (SSP), 3D टारगेट, स्ट्रेन गेज और सीस्मोग्राफ शामिल थे।

■ बुलेट ट्रेन में कितनी पहाड़ी सुरंगें

बुलेट ट्रेन के प्रोजेक्ट में (गुजरात और महाराष्ट्र) में कुल आठ पहाड़ी सुरंगें हैं। इनमें से सात (7) महाराष्ट्र के पालघर जिले में और एक (1) गुजरात के वलसाड जिले में है। पालघर की ताजा सुरंग की खुदाई के काम के दौरान सुरंग के अंदर काम करने वालों की सुरक्षा पर खास ध्यान दिया गया। इसके लिए सही वेंटिलेशन सिस्टम, आग से बचाव के उपाय, अंदर आने-जाने के लिए कंट्रोल्ड इंतजाम और लगातार जियोटेक्निकल मॉनिटरिंग की गई।

■ पांच महीने में तीन सुरंगें बनीं

NHSRCL ने इस पहाड़ी सुरंग की खुदाई के साथ महाराष्ट्र में पिछले 5 महीनों में तीन पहाड़ी सुरंगों की खुदाई पूरी की है। महाराष्ट्र में अब बुलेट ट्रेन का काम तेज गति से बढ़ रहा है। बुलेट ट्रेन के वापी और बोईसर बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच की तीनों पहाड़ी सुरंगों की खुदाई सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर महाराष्ट्र के बोईसर और गुजरात के वापी के बीच एक अहम औद्योगिक इलाके से गुजरता है। यहां निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इन दोनों शहरों के बीच के रास्ते में तीन पहाड़ी सुरंगें (MT-08, MT-07 और MT-06) शामिल हैं। मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन के रूट की कुल लंबाई 508 किलोमीटर है। इस रूट पर कुल 12 स्टेशन हैं।

Rajasthan Patrika, Surat, 03/06/2026
Page No: 2, Size: 24.26cm × 12.75cm

बुलेट ट्रेन: वापी से बोइसर के बीच सभी तीनों टनल का काम पूरा, 417 मीटर लंबी सुरंग से गुजरेंगी अप-डाउन दोनों ट्रैक

महाराष्ट्र के पालघर में तीसरी पहाड़ी सुरंग का 'ब्रेकथ्रू'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. देश की पहली मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना ने महाराष्ट्र में पालघर जिले के दहाणु स्थित अंबेसरी गांव में तीसरी पहाड़ी सुरंग (टनल) का 'ब्रेकथ्रू' (आर-पार खुदाई) कर लिया गया है। इस सफलता के साथ ही महाराष्ट्र के औद्योगिक क्षेत्र व गुजरात के वापी और बोइसर के बीच आने वाली सभी तीनों पहाड़ी सुरंगों का निर्माण कार्य पूरा हो गया है।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की जनसंपर्क अधिकारी सुष्मा गौर ने बताया कि यह सुरंग 417 मीटर लंबी और 14.4 मीटर चौड़ी है।

पहाड़ी सुरंग का एरियल व्यू।

बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के अप और डाउन, दोनों ट्रैक इसमें से गुजर सकेंगे। सुरंग की खुदाई के लिए 'कंट्रोल्ड ड्रिलिंग एंड ब्लास्टिंग' (नियंत्रित वेधन और विस्फोट) तकनीक व निर्माण के दौरान सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए एडवांस मॉनिटरिंग सिस्टम और जियोटेक्नीकल उपकरण उपयोग में लिए गए। धमाकों से होने वाले कंपन और सुरंग के व्यवहार पर नजर रखने के लिए रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम, 3डी टारगेट्स, स्ट्रेन गेज और सीस्मोग्राफ जैसे अत्याधुनिक उपकरणों की मदद ली गई। गौरतलब है कि इस पूरी परियोजना में कुल 8 पहाड़ी सुरंगें हैं, जिनमें से 7 महाराष्ट्र के पालघर में और एक गुजरात के वलसाड जिले में स्थित है। इस परियोजना में महाराष्ट्र के जटिल हिस्से में पिछले 5 महीनों के भीतर तीन पहाड़ी सुरंगों की खुदाई पूरी कर ली गई है।

सुरंगों की वर्तमान स्थिति पर एक नजर

एमटी-07 (417 मीटर): 1 जून 2026 को ब्रेकथ्रू।

एमटी-06 (454 मीटर): 3 फरवरी 2026 को खुदाई पूरी।

एमटी-05 (1.5 किलोमीटर): 2 जनवरी 2026 को सफलता मिली।

एमटी-08 (350 मीटर): इसका काम अक्टूबर 2023 में पूरा।

एमटी-04 और एमटी-03: इनमें क्रमश: 60 प्रतिशत और 80 प्रतिशत से अधिक खुदाई पूरी, जबकि एमटी-01 और एमटी-02 का काम जारी।

Hamara Mahanagar, Mumbai, 03/06/2026
Page No: 2, Size: 17.59cm × 18.23cm

बुलेट ट्रेन परियोजना

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन की तीसरी पहाड़ी टनल की खुदाई पूरी

महानगर संवाददाता

मुंबई

देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना को एक और बड़ी सफलता मिली है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत महाराष्ट्र में तीसरी पहाड़ी सुरंग की खुदाई सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई है। यह सुरंग पालघर जिले के दहानू तहसील के अंबेसरी गांव में बनाई गई है। परियोजना में लगातार हो रही प्रगति को बुलेट ट्रेन के सपने को साकार करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। इस नई सुरंग की लंबाई 417 मीटर और चौड़ाई 14.4 मीटर है। इसे बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की दोनों दिशाओं में चलने वाली ट्रेनों के लिए डिजाइन किया गया है। इससे परियोजना के निर्माण कार्य को और गति मिलने की उम्मीद है।

आधुनिक तकनीक से की गई सुरंग की खुदाई

नेशनल हाईस्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) ने बताया कि सुरंग की खुदाई दोनों ओर से नियंत्रित ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग तकनीक के जरिए की गई। निर्माण के दौरान सुरक्षा और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा गया। खुदाई के समय सुरंग की मजबूती और आसपास के क्षेत्रों पर पड़ने वाले प्रभाव को लगातार जांचने के लिए आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया।

सुरक्षा पर दिया गया विशेष ध्यान

सुरंग निर्माण के दौरान काम कर रहे कर्मचारियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई। इसके लिए सुरंग के अंदर उचित वेंटिलेशन सिस्टम लगाया गया और आग से बचाव के भी पूरे इंतजाम किए गए। इसके अलावा सुरंग के अंदर आने-जाने की व्यवस्था को नियंत्रित रखा गया और लगातार तकनीकी निगरानी भी की जाती रही। अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन किया गया।

Dainik Bhaskar, Surat, 03/06/2026
Page No: 2, Size: 22.41cm × 19.98cm

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट: दहाणू के अंबेसरी गांव में 417 मीटर लंबी और 14.4 मीटर चौड़ी तीसरी पर्वतीय सुरंग तैयार

सूरत | मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में महाराष्ट्र के पालघर जिले के दहाणू स्थित अंबेसरी गांव में तीसरी पर्वतीय सुरंग का ब्रेकथ्रू पूरा कर लिया गया है। यह सुरंग 417 मीटर लंबी और 14.4 मीटर चौड़ी है। इसे बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की अप और डाउन दोनों लाइनों के लिए तैयार किया गया है। सुरंग की खुदाई दोनों छोरों से नियंत्रित ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग तकनीक के माध्यम से की गई। कंपन, सुरंग की गतिविधियों और आसपास के क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव की लगातार निगरानी की गई। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में कुल आठ पर्वतीय टनल बनाई जा रही हैं, जिनमें 7 महाराष्ट्र के पालघर जिले और एक गुजरात के वलसाड जिले में स्थित है। अब तक एमटी-8, एमटी-7, एमटी-6 और एमटी-5 सुरंगों का ब्रेकथ्रू पूरा हो चुका है। शेष सुरंगों का काम भी जारी है।

Navbharat, Mumbai, 03/06/2026
Page No: 13, Size: 35.75cm × 17.33cm

पालघर की पहाड़ी को चीरकर निकली सुरंग

महाराष्ट्र में बुलेट ट्रेन को मिली रफ्तार, वापी-बोईसर खंड की सभी टनल तैयार

417 मीटर लंबी टनल का ब्रेकथ्रू सफल

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना को महाराष्ट्र में एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली है पालघर जिले के डहाणू तहसील स्थित अंबेसरी गांव के पास 417 मीटर लंबी पर्वतीय सुरंग का ब्रेकथ्रू सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है. इसके साथ ही वापी और बोईसर स्टेशन के बीच स्थित सभी तीन पर्वतीय सुरंगों का उत्खनन कार्य पूर्ण हो गया है. खास बात यह है कि पिछले पांच महीनों में महाराष्ट्र में तीन पर्वतीय सुरंगों का निर्माण पूरा हुआ है, जिसे परियोजना के सबसे जटिल हिस्सों में तेज प्रगति का संकेत माना जा रहा है अत्याधुनिक तकनीक और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूरा किया गया.

अत्याधुनिक तकनीक का किया गया उपयोग

यह कार्य बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के निर्माण को नई गति देने वाला साबित होगा.राष्ट्रीय हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अनुसार यह सुरंग 417 मीटर लंबी और 14.4 मीटर चौड़ी है इसे बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के अप और डाउन दोनों ट्रैक के लिए तैयार किया गया है.सुरंग का निर्माण नियंत्रित ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग तकनीक की मदद से दोनों छोर से किया गया निर्माण के दौरान सुरक्षा और गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई. सुरंग की स्थिरता, कंपन और आसपास की संरचनाओं पर पड़ने वाले प्रभाव की निगरानी के लिए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया इसके लिए सरफेस सेटलमेंट पॉइंट्स, 3डी टार्गेट्स, स्ट्रेन गेज और सिस्मोग्राफ जैसे रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम लगाए गए थे. सुरंग में काम करने वाले श्रमिकों की सुरक्षा के लिए वेंटिलेशन सिस्टम, अग्नि सुरक्षा व्यवस्था, नियंत्रित प्रवेश प्रणाली और लगातार भू-तकनीकी निगरानी की व्यवस्था की गई थी अधिकारियों का कहना है कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद यह कार्य तय समय के भीतर सफलतापूर्वक पूरा किया गया.

आठ में से सात सुरंगें महाराष्ट्र में

- मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में कुल आठ पर्वतीय सुरंगें बनाई जा रही हैं इनमें से सात महाराष्ट्र के पालघर जिले में और एक गुजरात के वलसाड जिले में स्थित है. अब तक 350 मीटर का एमटी-08, 417 मीटर का एमटी-07, 454 मीटर का एमटी-06 और 1.5 किलोमीटर एमटी-05 का ब्रेकथ्रू पूरा हो चुका है.
- वहीं, एमटी-04 में लगभग 60 प्रतिशत और एमटी-03 में 80 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा हो चुका है. एमटी-02 और एमटी-01 पर भी तेजी से काम चल रहा है.

तेजी से आगे बढ़ रहा निर्माण

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना देश की पहली हाई-स्पीड रेल परियोजना है परियोजना के विभिन्न हिस्सों में निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और कई महत्वपूर्ण संरचनाएं निर्धारित समय सीमा के अनुसार पूरी की जा रही हैं. पालघर में तीसरी पर्वतीय सुरंग का ब्रेकथ्रू पूरा होना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है.

वापी-बोईसर खंड में बड़ी उपलब्धि

- परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक यह है कि वापी और बोईसर स्टेशन के बीच स्थित सभी तीन पर्वतीय सुरंगों का उत्खनन अब पूरा हो चुका है.
- यह खंड महाराष्ट्र और गुजरात के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों को जोड़ता है, इसलिए इसे परियोजना का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है.
- अधिकारियों के अनुसार पिछले पांच महीनों में तीन पर्वतीय सुरंगों का पूरा होना इस जटिल खंड में निर्माण कार्य की गति को दर्शाता है. इससे परियोजना के अन्य हिस्सों में भी निर्माण कार्य को तेजी मिलेगी.

Navbharat Times, Mumbai, 03/06/2026
Page No: 4, Size: 19.84cm × 16.35cm

पालघर में बुलेट ट्रेन की तीसरी पहाड़ी सुरंग का ब्रेक-थ्रू हुआ पूरा

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत महाराष्ट्र के पालघर जिले में तीसरी पहाड़ी सुरंग का ब्रेक-थ्रू (दोनों सिरों से खुदाई पूरी होकर सुरंग का जुड़ना) सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। यह सुरंग दहाणू तालुका के अंबेसरी गांव में स्थित है। यह सुरंग 417 मीटर लंबी और 14.4 मीटर चौड़ी है। इसे बुलेट ट्रेन की अप और डाउन दोनों पटरियों के लिए तैयार किया गया है। सुरंग की खुदाई दोनों तरफ से नियंत्रित ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग तकनीक की मदद से की गई। निर्माण के दौरान सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया। सुरंग और आसपास के क्षेत्र की निगरानी के लिए आधुनिक उपकरण लगाए गए थे। वर्कर्स की सुरक्षा के लिए भी वेंटिलेशन, फायर सेफ्टी और अन्य उपकरणों सहित जरूरी व्यवस्थाएं की गई थीं।

AI Image

कुल पर्वतीय सुरंगें हैं **8**

महाराष्ट्र के पालघर में है **7** सुरंगें

गुजरात के वलसाड में है **1** सुरंग

8 में से 4 पहाड़ी टनल का काम पूरा

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में कुल आठ पहाड़ी टनल बनाई जा रही हैं। इनमें से सात पालघर जिले में और एक गुजरात के वलसाड जिले में स्थित है। अब तक चार टनलों का ब्रेक-थ्रू पूरा हो चुका है, जबकि बाकी टनलों का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। अधिकारी के अनुसार, पिछले पांच महीनों में महाराष्ट्र में तीन पहाड़ी सुरंगों का सफलतापूर्वक उत्खनन पूरा किया गया है, जो परियोजना की तेज प्रगति को दर्शाता है। वापी और बोइसर बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच स्थित तीनों पहाड़ी सुरंगो का निर्माण भी अब पूरा हो गया है। यह क्षेत्र महाराष्ट्र और गुजरात के महत्वपूर्ण औद्योगिक इलाकों को जोड़ता है, जहां बुलेट ट्रेन परियोजना का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है।

Dainik Jagran, Delhi, 03/06/2026
Page No: 11, Size: 31.46cm × 25.43cm

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में तीसरी पर्वतीय सुरंग का ब्रेकथ्रू, कार्य तेज

राज्य ब्यूरो, मुंबई : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना ने एक और महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग उपलब्धि हासिल की है। महाराष्ट्र में परियोजना की तीसरी पर्वतीय सुरंग का सफल ब्रेकथ्रू (सुरंग के दोनों सिरों का मिलन) पूरा हो गया है। इससे देश की पहली हाई-स्पीड रेल परियोजना के निर्माण कार्य में तेजी आ गई है। यह उपलब्धि पालघर जिले की दहाणू तहसील के अंबेसरी गांव स्थित एमटी-07 सुरंग में हासिल की गई। परियोजना का यह हिस्सा तकनीकी दृष्टि से सबसे चुनौतीपूर्ण खंडों में से एक माना जाता है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना ने एक और मील का पत्थर पार किया है। दहाणू में पांच माह के भीतर महाराष्ट्र की तीसरी पर्वतीय सुरंग का ब्रेकथ्रू पूरा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में शामिल यह बुलेट ट्रेन कारिडोर देश के दो प्रमुख आर्थिक एवं औद्योगिक केंद्रों मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा को नया आयाम देने के साथ ही आर्थिक मजबूती भी प्रदान करेगा। नई एमटी-07 सुरंग की लंबाई 417 मीटर और चौड़ाई 14.4 मीटर है। इसे हाई-स्पीड रेल लाइन की अप और डाउन दोनों पटरियों को समायोजित करने के लिए डिजाइन किया गया है। सुरंग की खोदाई दोनों सिरों से एक साथ नियंत्रित ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग तकनीक के माध्यम से की गई, जिसमें उन्नत इंजीनियरिंग और सुरक्षा प्रणालियों का उपयोग किया गया।

- यह उपलब्धि पालघर की दहाणू तहसील के अंबेसरी में एमटी-07 सुरंग में हासिल की गई
- इसे हाई स्पीड रेल लाइन की अप-डाउन पटरियां समायोजित करने को डिजाइन किया गया

DJ Rashtriya Sanskaran, Delhi, 03/06/2026
Page No: 7, Size: 29.50cm × 44.69cm

बुलेट ट्रेन परियोजना मे तीसरी पर्वतीय सुरंग का ब्रेकथ्रू, निर्माण कार्य ने पकड़ी रफ्तार

राज्य ब्यूरो, जागरण • मुंबई

- यह उपलब्धि पालघर जिले की दहाणू तहसील के अंबेसरी गांव स्थित एमटी-07 सुरंग में हासिल की गई
- दहाणू में पांच माह के भीतर महाराष्ट्र की तीसरी पर्वतीय सुरंग का ब्रेकथ्रू हुआ है पूरा

अश्विनी वैष्णव। फाइल

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना ने एक और महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग उपलब्धि हासिल की है। महाराष्ट्र में परियोजना की तीसरी पर्वतीय सुरंग का सफल ब्रेकथ्रू (सुरंग के दोनों सिरों का मिलन) पूरा हो गया है। इससे देश की पहली हाई-स्पीड रेल परियोजना के निर्माण कार्य में तेजी आ गई है। यह उपलब्धि पालघर जिले की दहाणू तहसील के अंबेसरी गांव स्थित एमटी-07 सुरंग में हासिल की गई। परियोजना का यह हिस्सा तकनीकी दृष्टि से सबसे चुनौतीपूर्ण खंडों में से एक माना जाता है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना ने एक और मील का पत्थर पार किया है। दहाणू में पांच माह के भीतर महाराष्ट्र की तीसरी पर्वतीय सुरंग का ब्रेकथ्रू पूरा हुआ है। पीएम नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में शामिल यह बुलेट ट्रेन कारिडोर देश के दो प्रमुख आर्थिक एवं औद्योगिक केंद्रों मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा को नया आयाम देने के साथ ही आर्थिक मजबूती भी प्रदान करेगा। नई एमटी-07 सुरंग की लंबाई 417 मीटर और चौड़ाई 14.4 मीटर है। इसे हाई-स्पीड रेल लाइन की अप और डाउन दोनों पटरियों को समायोजित करने के लिए डिजाइन किया गया है। सुरंग की खोदाई दोनों सिरों से एक साथ नियंत्रित ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग तकनीक के माध्यम से की गई, जिसमें उन्नत इंजीनियरिंग और सुरक्षा प्रणालियों का उपयोग किया गया।

परियोजना अधिकारियों के अनुसार, निर्माण के दौरान संरचनात्मक स्थिरता और श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक भू-तकनीकी उपकरणों तथा रियल टाइम निगरानी प्रणालियों का उपयोग किया गया। इनमें सतही धंसाव बिंदु, थ्री-डी मानिटरिंग टारगेट, स्ट्रेन गेज और सिस्मोग्राफ जैसे उपकरण शामिल थे। इनकी मदद से सुरंग की स्थिति, भूमि की हलचल और कंपन के स्तर पर लगातार नजर रखी गई। निर्माण के दौरान वेंटिलेशन सिस्टम, अग्नि सुरक्षा व्यवस्था, नियंत्रित प्रवेश व्यवस्था और निरंतर भू-तकनीकी निगरानी जैसे व्यापक सुरक्षा उपाय भी लागू किए गए। इससे पहले महाराष्ट्र में परियोजना की कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां सामने आ चुकी हैं।

पालघर जिले के सफाले के निकट स्थित 1.5 किलोमीटर लंबी एमटी-05 सुरंग का ब्रेकथ्रू दो जनवरी 2026 को पूरा हुआ था। इसके बाद तीन फरवरी 2026 को एमटी-06 सुरंग का ब्रेकथ्रू हुआ। इसकी लंबाई 454 मीटर है, जिसे न्यू आस्ट्रियन टनलिंग मेथड (एनएटीएम) के माध्यम से बनाया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रगति विशेष महत्व रखती है, क्योंकि किसी भी बड़ी रेल परियोजना में सुरंग और भूमिगत निर्माण कार्य उसकी गति निर्धारित करते हैं। सुरंगों के सफल ब्रेकथ्रू से इंजीनियरिंग संबंधी अनिश्चितताएं कम होती हैं और ट्रैक बिछाने, सिस्टम इंस्टालेशन तथा अन्य निर्माण कार्यों का मार्ग प्रशस्त होता है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत प्रस्तावित आठ पर्वतीय सुरंगों में से सात महाराष्ट्र के पालघर जिले में तथा एक गुजरात के वलसाड जिले में स्थित है। वलसाड की सुरंग का निर्माण कार्य पहले ही पूरा किया जा चुका है।

Jansatta, Delhi, 03/06/2026
Page No: 12, Size: 11.96cm × 9.31cm

बुलेट ट्रेन परियोजना : पांच माह में तीसरी पर्वतीय सुरंग का निर्माण पूरा

नई दिल्ली, 2 जून (ब्यूरो)।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत महाराष्ट्र के पालघर जिले के दहानू तालुका के अंबेसारी गांव में तीसरी पर्वतीय सुरंग (एमटी-07) का निर्माण पूरा हुआ।

महाराष्ट्र में पिछले पांच महीनों के भीतर तीन पर्वतीय सुरंगों का निर्माण पूरा हो चुका है। यह देश के पहले उच्च-गति रेल गलियारे के सबसे तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण खंड थे।

एमटी-07 पर्वतीय सुरंग 417 मीटर लंबी और 14.4 मीटर चौड़ी है।

रेलवे अधिकारी ने बताया कि बुलेट ट्रेन गलियारे की दोनों ओर की पटरियों के लिए हाल ही में बनकर तैयार हुई एमटी-07 पर्वतीय सुरंग 417 मीटर लंबी और 14.4 मीटर चौड़ी है। इस सुरंग की खुदाई दोनों सिरों से नियंत्रित ड्रिलिंग और विस्फोट विधि द्वारा की गई। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र खंड में 1.5 किमी लंबी पहली पर्वतीय सुरंग (एमटी-05) का निर्माण दो जनवरी 2026 को पालघर जिले के सफाले के पास पूरा हुआ।

इसके बाद तीन फरवरी 2026 को दूसरी सुरंग (एमटी-06) का निर्माण हुआ, इसमें न्यू आस्ट्रियन टनलिंग तकनीक (एनएटीएम) का उपयोग करके 454 मीटर लंबी सुरंग खोदी गई। रेलवे अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र में निर्माणाधीन सात पर्वतीय सुरंगों में से, एमटी-पांच, एमटी-छह और एमटी-सात में अब तक खुदाई का काम पूरा हो चुका है। एमटी-आठ (350 मीटर) में पांच अक्तूबर 2023 को खुदाई का काम पूरा हो गया था, एमटी-तीन की खुदाई 80 फीसद से अधिक पूरी हो चुकी है।

Rashtriye Swabhimaan, Mumbai, 03/06/2026
Page No: 4, Size: 18.18cm × 10.74cm

मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए महाराष्ट्र के पालघर जिले में तीसरी पर्वतीय सुरंग का ब्रेकथ्रू पूरा किया गया

ठाणे।मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत महाराष्ट्र की तीसरी पर्वतीय सुरंग का ब्रेकथ्रू पालघर जिले के दहानू तालुका स्थित अंबेसरी गांव में सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है।यह सुरंग 417 मीटर लंबी और 14.4 मीटर चौड़ी है, जिसे बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की अप और डाउन दोनों पटरियों को समायोजित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

सुरंग की खुदाई दोनों सिरों से नियंत्रित ड्रिलिंग एवं ब्लास्टिंग (Controlled Drilling and Blasting) तकनीक का उपयोग करके की गई। खुदाई कार्य के दौरान संरचनात्मक स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्नत मॉनिटरिंग प्रणालियों और भू-तकनीकी उपकरणों का उपयोग किया गया।खुदाई गतिविधियों के दौरान कंपन, सुरंग के व्यवहार तथा आसपास की संरचनाओं की सतत निगरानी के लिए सरफेस सेटलमेंट पॉइंट्स (SSP), 3D टार्गेट्स, स्ट्रेन गेज और सीस्मोग्राफ सहित रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम स्थापित किए गए।सुरंग के भीतर कार्यरत श्रमिकों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया। इसके लिए उचित वेंटिलेशन प्रणाली, अग्नि सुरक्षा उपाय, नियंत्रित प्रवेश व्यवस्था तथा निरंतर भू-तकनीकी निगरानी सुनिश्चित की गई।

गुजरात एवं महाराष्ट्र में पर्वतीय सुरंगों (MT) की स्थिति

परियोजना में कुल आठ (08) पर्वतीय सुरंगों में से सात (07) महाराष्ट्र के पालघर जिले में तथा एक (01) गुजरात के वलसाड जिले में स्थित है।

- MT-08 (350 मीटर) का ब्रेकथ्रू 5 अक्टूबर 2023 को पूरा किया गया
- MT-07 (417 मीटर) का ब्रेकथ्रू 1 जून 2026 को पूरा किया गया
- MT-06 (454 मीटर) का ब्रेकथ्रू 3 फरवरी 2026 को पूरा किया गया
- MT-05 (1.5 किमी) का ब्रेकथ्रू 2 जनवरी 2026 को पूरा किया गया
- MT-04 में लगभग 60% कार्य प्रगति हासिल की जा चुकी है
- MT-03 में 80% से अधिक खुदाई कार्य पूरा हो चुका है
- MT-02 और MT-01 का कार्य निरंतर प्रगति पर है

इस पर्वतीय सुरंग की खुदाई पूर्ण होने के साथ ही महाराष्ट्र में पिछले पाँच महीनों के भीतर तीन पर्वतीय सुरंगों का सफलतापूर्वक उत्खनन पूरा किया जा चुका है, जो परियोजना के सबसे जटिल खंडों में से एक में तीव्र प्रगति को दर्शाता है।वापी और बोइसर बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच स्थित सभी तीन पर्वतीय सुरंगों का उत्खनन सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर महाराष्ट्र के बोइसर और गुजरात के वापी के बीच स्थित एक महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र से होकर गुजरता है, जहां निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है। इन दोनों औद्योगिक शहरों के बीच के मार्ग में तीन (03) पर्वतीय सुरंगें (MT-08, MT-07 एवं MT-06) शामिल हैं।

Yashobhumi, Mumbai, 03/06/2026
Page No: 2, Size: 23.87cm × 8.89cm

बुलेट ट्रेन परियोजना : तीसरी पर्वतीय सुरंग का ब्रेकथ्रू हुआ पूरा

यशोभूमि/संवाददाता

पालघर। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत पालघर में एक और बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। दहानू तालुका के अंबेसरी गांव में परियोजना की तीसरी पर्वतीय सुरंग का ब्रेकथ्रू सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। यह सुरंग 417 मीटर लंबी और 14.4 मीटर चौड़ी है, जिसे बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की अप और डाउन दोनों पटरियों के लिए तैयार किया गया है। नियंत्रित ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग तकनीक से बनी इस सुरंग के निर्माण में सुरक्षा और स्थिरता के लिए रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम और सीस्मोग्राफ जैसे आधुनिक उपकरणों का उपयोग किया गया है। वापी और बोइसर बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच स्थित इस सुरंग के काम के साथ ही पिछले पांच महीनों में महाराष्ट्र खंड में तीन सुरंगों का उत्खनन पूरा हो चुका है।

Rajasthan Patrika, Delhi, 03/06/2026
Page No: 2, Size: 27.73cm × 10.64cm

महाराष्ट्र में तीसरी पर्वतीय सुरंग का निर्माण पूरा, अन्य पर काम तेजी से जारी, गुजरात में निर्माण कार्य प्रगति पर

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना को मिली रफ्तार

417 मीटर लंबी और 14.4 मीटर चौड़ी है सुरंग एमटी-07

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में महाराष्ट्र के पालघर जिले के दहानू तालुका स्थित अंबेसारी गांव में तीसरी पर्वतीय सुरंग (एमटी-07) का निर्माण पूरा हो गया है। रेल मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि पिछले पांच महीनों में महाराष्ट्र में तीन पर्वतीय सुरंगों का निर्माण पूरा होने से देश की पहली हाई-स्पीड रेल परियोजना को नई गति मिली है।

महाराष्ट्र के पालघर जिले में निर्मित पर्वतीय सुरंग (एमटी-07)।

सुरंग निर्माण पूरा होने पर खुशी मनाते श्रमिक व अन्य।

एमटी-07 सुरंग 417 मीटर लंबी और 14.4 मीटर चौड़ी है। इसकी खुदाई दोनों सिरों से नियंत्रित ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग तकनीक के जरिए की गई। निर्माण के दौरान संरचनात्मक स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक निगरानी प्रणालियों तथा भू-तकनीकी उपकरणों का इस्तेमाल किया गया। इससे पहले 2 जनवरी को पालघर जिले के सफाले के पास 1.5 किलोमीटर लंबी पहली पर्वतीय सुरंग (एमटी-05) का निर्माण पूरा हुआ था। वहीं 3 फरवरी को 454 मीटर लंबी दूसरी सुरंग (एमटी-06) की खुदाई भी पूरी कर ली गई थी। महाराष्ट्र में निर्माणाधीन सात पर्वतीय सुरंगों में से अब तक तीन की खुदाई पूरी हो चुकी है, जबकि अन्य सुरंगों पर काम तेजी से जारी है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के महाराष्ट्र और गुजरात हिस्सों में निर्माण कार्य लगातार प्रगति पर है। मंत्रालय का कहना है कि परियोजना में आधुनिक सुरंग निर्माण, निगरानी और सुरक्षा तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे देश में हाई-स्पीड रेल अवसंरचना को मजबूती मिलेगी।

Loksatta, Palghar, 03/06/2026
Page No: 1, Size: 30.88cm × 35.59cm

Work on the third mountain tunnel of the bullet train project completed

बुलेट ट्रेन प्रकल्पाच्या तिसऱ्या पर्वतीय बोगद्याचे काम पूर्ण

जिल्ह्यातील अप-डाऊन मार्गिकांवरील बांधकामे प्रगतिपथावर

लोकसत्ता प्रतिनिधी

पालघर : मुंबईअहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पांतर्गत महाराष्ट्रातील तिसऱ्या पर्वतीय बोगद्याचे ब्रेकथ्रू पालघर जिल्ह्यातील डहाणू तालुक्यातील अंबेसरी गावाजवळ यशस्वीरीत्या पूर्ण झाले आहे. हा बोगदा ४१७ मीटर लांब आणि १४.४ मीटर रुंद असून, बुलेट ट्रेन मार्गिकेवरील अप आणि डाऊन या दोन्ही ट्रॅकसाठी त्याची रचना करण्यात आली आहे.

बोगद्याचे उत्खनन दोन्ही टोकांवरून नियंत्रित ड्रिलिंग आणि ब्लास्टिंग पद्धतीने करण्यात आले. उत्खननादरम्यान संरचनेची स्थिरता आणि सुरक्षितता सुनिश्चित करण्यासाठी अत्याधुनिक मॉनिटरिंग प्रणाली आणि भू-तांत्रिक उपकरणांचा वापर करण्यात आले.

उत्खननाच्या कामावेळी कंपन, बोगद्याचे वर्तन आणि परिसरातील संरचनांवर होणारा परिणाम यावर सातत्याने लक्ष (पान ४ वर)

आठपैकी सात बोगदे पालघर जिल्ह्यात

- अंबेसरी येथील एमटी-०७ चे ब्रेकथ्रू १ जून २०२६ रोजी पूर्ण झाले.
- गौरवाडी व अंबेसरी दरम्यानच्या एमटी-०६ चे काम ३ फेब्रुवारीला पूर्ण.
- जलसार व मिठागर दरम्यानचा एमटी-०५ चे काम २ जानेवारीला पूर्ण .
- भाटपाडा एमटी-०४ मध्ये जवळपास ६० टक्के प्रगती झाली आहे.
- विरार येथील एमटी-०३ मध्ये उत्खननाचे ८०% काम पूर्ण झाले आहे.
- चंद्रपाडा येथील एमटी-०२ आणि कसबे कामण व बापाणे दरम्यानच्या एमटी-०१ चे कामही वेगाने सुरू आहे.

बुलेट ट्रेनच्या तिसऱ्या पर्वतीय बोगद्याचे काम पूर्ण

(पान १ वरून) ठेवण्यासाठी सरफेस सेटलमेंट पॉइंट्स , थ्रीडी टार्गेट्स, स्ट्रेन गेजेस आणि सिस्मोग्राफ्स यांसारख्या रिअल-टाइम मॉनिटरिंग प्रणाली बसवण्यात आल्या होत्या. बोगद्यामधील कामगारांच्या सुरक्षिततेसाठी योग्य वायुविजन व्यवस्था, अग्निसुरक्षा उपाययोजना, नियंत्रित प्रवेश व्यवस्था आणि सातत्यपूर्ण भू-तांत्रिक निरीक्षण यावर विशेष भर देण्यात आला. या पर्वतीय बोगद्याचे उत्खनन पूर्ण झाल्यामुळे गेल्या पाच महिन्यांत महाराष्ट्रात तीन पर्वतीय बोगद्यांचे उत्खनन पूर्ण झाले आहे. प्रकल्पातील सर्वाधिक गुंतागुंतीच्या विभागांपैकी एका विभागात ही अतिशय वेगवान प्रगती मानली जात आहे. वापी आणि बोईसर बुलेट ट्रेन स्थानकांदरम्यानचे सर्व तीन पर्वतीय बोगदे यशस्वीरीत्या पूर्ण करण्यात आले आहेत. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन मार्गिका महाराष्ट्रातील बोईसर आणि गुजरातमधील वापी या महत्त्वाच्या औद्योगिक पट्ट्यातून जाते. या दोन्ही शहरांदरम्यानच्या मार्गावर तीन पर्वतीय बोगदे असून त्यांचे उत्खनन यशस्वीरीत्या पूर्ण झाले आहे.

Punyanagari, Mumbai, 03/06/2026
Page No: 4, Size: 28.65cm × 17.04cm

Breakthrough of third tunnel in Palghar district completed

पालघर जिल्ह्यातील तिसऱ्या बोगद्याचे ब्रेकथ्रू पूर्ण

मुंबई : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पांतर्गत महाराष्ट्रातील तिसऱ्या पर्वतीय बोगद्याचे ब्रेकथ्रू पालघर जिल्ह्यातील डहाणू तालुक्यातील अंबेसरी गावाजवळ यशस्वीरीत्या पूर्ण झाले आहे. हा बोगदा ४१७ मीटर लांब आणि १४.४ मीटर रुंद असून बुलेट ट्रेन मार्गिकेवरील अप आणि डाऊन या दोन्ही ट्रॅकसाठी त्याची रचना करण्यात आली आहे.

बोगद्याचे उत्खनन दोन्ही टोकांवरून नियंत्रित ड्रिलिंग आणि ब्लास्टिंग पद्धतीने करण्यात आले. उत्खननादरम्यान संरचनेची स्थिरता आणि सुरक्षितता सुनिश्चित करण्यासाठी अत्याधुनिक मॉनिटरिंग प्रणाली आणि भू-तांत्रिक उपकरणांचा वापर करण्यात आला. उत्खननाच्या कामावेळी कंपन, बोगद्याचे वर्तन आणि परिसरातील संरचनांवर होणारा परिणाम यावर सातत्याने लक्ष ठेवण्यासाठी सरफेस सेटलमेंट पॉइंट्स, 3 डी टार्गेट्स, स्ट्रेन गेजेस आणि सिस्मोग्राफ्स यांसारख्या रिअल-टाइम मॉनिटरिंग प्रणाली बसवण्यात आल्या होत्या.

या पर्वतीय बोगद्याचे उत्खनन पूर्ण झाल्यामुळे गेल्या पाच महिन्यांत महाराष्ट्रात तीन पर्वतीय बोगद्यांचे उत्खनन पूर्ण झाले आहे. प्रकल्पातील सर्वाधिक गुंतागुंतीच्या विभागांपैकी एका विभागात ही अतिशय वेगवान प्रगती मानली जात आहे. वापी आणि बोईसर बुलेट ट्रेन स्थानकांदरम्यानचे सर्व तीन पर्वतीय बोगदे यशस्वीरीत्या पूर्ण करण्यात आले आहेत.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन मार्गिका महाराष्ट्रातील बोईसर आणि गुजरातमधील वापी या महत्त्वाच्या औद्योगिक पट्ट्यातू जाते. या दोन्ही शहरांदरम्यानच्य मार्गावर तीन पर्वतीय बोगदे असू त्यांचे उत्खनन यशस्वीरीत्या पू झाले आहे. बांधकामाची का या संपूर्ण विभागात वेगाने प्रगत करत आहेत.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्प

गुजरात , महाराष्ट्रातील पर्वतीय बोगद्यांची सद्यस्थिती

प्रकल्पातील एकूण आठ पर्वतीय बोगद्यांपैकी सात बोगदे महाराष्ट्रातील पालघर जिल्ह्यात असून एक बोगदा गुजरातमधील वलसाड जिल्ह्यात आहे.

- एमटी -०८ (३५० मीटर) चे ब्रेकथ्रू ५ ऑक्टोबर २०२३ रोजी पूर्ण झाले.
- एमटी -०७ (४१७ मीटर) चे ब्रेकथ्रू १ जून २०२५ रोजी पूर्ण झाले.
- एमटी -०६ (४५४ मीटर) चे ब्रेकथ्रू ३ फेब्रुवारी २०२६ रोजी पूर्ण झाले.
- एमटी -०५ (१.५ किमी) चे ब्रेकथ्रू २ जानेवारी २०२६ रोजी पूर्ण झाले.
- एमटी-०४ मध्ये जवळपास ६० टक्के प्रगती झाली आहे.
- एमटी-०३ मध्ये उत्खननाचे ८० टक्क्यांपेक्षा अधिक काम पूर्ण.
- एमटी-०२ आणि एमटी-०१ कामही वेगाने सुरू आहे.

Pudhari, Mumbai, 03/06/2026
Page No: 3, Size: 27.09cm × 12.28cm

The tunneling of the third mountain tunnel of the bullet train is complete.

बुलेट ट्रेनच्या तिसऱ्या पर्वतीय बोगद्याचे भुयारीकरण पूर्ण

मुंबई : पुढारी वृत्तसेवा

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पांतर्गत महाराष्ट्रातील तिसऱ्या पर्वतीय बोगद्याचे भुयारीकरण पालघर जिल्ह्यातील डहाणू तालुक्यातील अंबेसरी गावाजवळ यशस्वीरित्या पूर्ण झाले आहे. हा बोगदा ४१७ मीटर लांब आणि १४.४ मीटर रुंद असून, बुलेट ट्रेन मार्गिकेवरील अप आणि डाऊन या दोन्ही मार्गिकांसाठी त्याची रचना करण्यात आली आहे.

बोगद्याचे उत्खनन दोन्ही टोकांवरून नियंत्रित ड्रिलिंग आणि ब्लास्टिंग पद्धतीने करण्यात आले. उत्खननादरम्यान संरचनेची स्थिरता आणि सुरक्षितता निश्चित करण्यासाठी अत्याधुनिक मॉनिटरिंग प्रणाली आणि भू-तांत्रिक उपकरणांचा वापर करण्यात आला. उत्खननाच्या कामावेळी कंपन, बोगद्याचे वर्तन आणि परिसरातील संरचनांवर होणारा परिणाम यावर सातत्याने लक्ष ठेवण्यासाठी सरफेस सेटलमेंट पॉइंट्स, ३ डी टार्गेट्स, स्ट्रेन गेजेस आणि सिस्मोग्राफ्स यांसारख्या रिअल-टाइम मॉनिटरिंग प्रणाली बसवण्यात आल्या होत्या.

बोगद्यामधील कामगारांच्या सुरक्षिततेसाठी योग्य वायुवीजन व्यवस्था, अग्निसुरक्षा उपाययोजना, नियंत्रित प्रवेश व्यवस्था आणि सातत्यपूर्ण भू-तांत्रिक निरीक्षण यावर विशेष भर देण्यात आला. प्रकल्पातील एकूण ८ पर्वतीय बोगद्यांपैकी सात बोगदे महाराष्ट्रातील पालघर जिल्ह्यात असून एक बोगदा गुजरातमधील वलसाड जिल्ह्यात आहे. गेल्या पाच महिन्यांत महाराष्ट्रात तीन पर्वतीय बोगद्यांचे उत्खनन पूर्ण झाले आहे.

मुंबई : महाराष्ट्रातील तिसऱ्या पर्वतीय बोगद्याचे काम यशस्वीपणे पूर्ण केल्यानंतर कामगार वर्गाने हातात तिरंगा घेऊन आनंद साजरा केला.

बोगद्यांची सद्यस्थिती

- एमटी-०८ (३५० मीटर) चे ब्रेकथ्रू ५ ऑक्टोबर २०२३ रोजी पूर्ण झाले.
- एमटी-०७ (४१७ मीटर) चे ब्रेकथ्रू १ जून २०२६ रोजी पूर्ण झाले.
- एमटी-०६ (४५४ मीटर) चे ब्रेकथ्रू ३ फेब्रुवारी २०२६ रोजी पूर्ण झाले.
- एमटी-०५ (१.५ किमी) चे ब्रेकथ्रू २ जानेवारी २०२६ रोजी पूर्ण झाले.
- एमटी-०४ मध्ये जवळपास ६०% प्रगती झाली आहे.
- एमटी-०३ मध्ये उत्खननाचे ८०% पेक्षा अधिक काम पूर्ण झाले आहे.
- एमटी-०२ आणि एमटी-०१ चे कामही सुरू आहे.

Maharashtra Times, Mumbai, 03/06/2026
Page No: 13, Size: 26.64cm × 17.99cm

Third tunnel completed in five months

पाच महिन्यांत तिसरा बोगदा पूर्ण

म. टा. वृत्तसेवा, पालघर

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पांतर्गत राज्यातील तिसऱ्या पर्वतीय बोगद्याचे ब्रेकथ्रू पालघर जिल्ह्यातील डहाणू तालुक्यातील अंबेसरी गावाजवळ यशस्वीरित्या पूर्ण करण्यात आले आहे. ४१७ मीटर लांब आणि १४.४ मीटर रुंद असलेल्या या बोगद्याची रचना बुलेट ट्रेन मार्गिकेवरील अप आणि डाऊन या दोन्ही ट्रॅकसाठी करण्यात आली आहे.

बोगद्याचे उत्खनन दोन्ही टोकांवरून नियंत्रित ड्रिलिंग आणि ब्लास्टिंग पद्धतीने करण्यात आले. उत्खननादरम्यान संरचनेची स्थिरता आणि सुरक्षितता सुनिश्चित करण्यासाठी अत्याधुनिक मॉनिटरिंग प्रणाली तसेच भू-तांत्रिक उपकरणांचा वापर करण्यात आला.

कामादरम्यान कंपन, बोगद्याचे वर्तन आणि परिसरातील संरचनांवर होणाऱ्या परिणामांचे निरीक्षण करण्यासाठी सरफेस सेटलमेंट पॉइंट्स (एसएसपी), थ्री-डी टार्गेट्स, स्ट्रेन गेजेस आणि सिस्मोग्राफ्स यांसारख्या रिअल-टाइम मॉनिटरिंग प्रणाली कार्यान्वित करण्यात आल्या होत्या.

बोगद्यातील कामगारांच्या सुरक्षेसाठी योग्य वायुवीजन व्यवस्था, अग्निसुरक्षा उपाययोजना, नियंत्रित प्रवेश व्यवस्था आणि सातत्यपूर्ण भू-तांत्रिक निरीक्षणावर विशेष भर देण्यात आला.

प्रकल्पातील एकूण आठ पर्वतीय बोगद्यांपैकी सात बोगदे पालघर जिल्ह्यात तर एक बोगदा गुजरातमधील वलसाड जिल्ह्यात आहे.

या पर्वतीय बोगद्याचे उत्खनन पूर्ण झाल्यामुळे गेल्या पाच महिन्यांत महाराष्ट्रातील तीन पर्वतीय बोगद्यांचे काम पूर्ण झाले आहे. प्रकल्पातील सर्वाधिक गुंतागुंतीच्या विभागांपैकी एका विभागात झालेली ही महत्त्वाची प्रगती मानली जात आहे.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन मार्गिका महाराष्ट्रातील बोईसर आणि गुजरातमधील वापी या महत्त्वाच्या औद्योगिक पट्ट्यातून जाते. वापी आणि बोईसर स्थानकांदरम्यान असलेल्या एमटी-०८, एमटी-०७ आणि एमटी-०६ या तिन्ही पर्वतीय बोगद्यांचे उत्खनन पूर्ण झाले असून या विभागातील इतर बांधकाम कामांनाही वेग आला आहे.

बुलेट ट्रेन प्रकल्पाला गती

Navrashtra, Mumbai, 03/06/2026
Page No: 2, Size: 25.00cm × 17.54cm

Mumbai-Ahmedabad bullet train gets speed

प्रगतीपथावर ● पालघरमधील तिसऱ्या पर्वतीय बोगद्याचे खोदकाम पूर्ण

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेनला गती

▸ मुंबई, नवराष्ट्र न्यूज नेटवर्क. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पातील महत्त्वाचा टप्पा पार करत पालघर जिल्ह्यातील डहाणू तालुक्यातील अंबेसरी गावाजवळील तिसऱ्या पर्वतीय बोगद्याचे (माउंटन टनेल-७) खोदकाम पूर्ण करण्यात आले आहे. या बोगद्याचा 'ब्रेकथ्रू' यशस्वीरीत्या साध्य झाला असून त्यामुळे महाराष्ट्रातील प्रकल्पाच्या कामाला आणखी वेग मिळाला आहे.

पालघर जिल्ह्यातील हा बोगदा ४१७ मीटर लांब आणि १४.४ मीटर रुंद असून बुलेट ट्रेनच्या अप आणि डाऊन दोन्ही मार्गांसाठी तयार करण्यात आला आहे. बोगद्याचे खोदकाम दोन्ही बाजूंनी नियंत्रित ड्रिलिंग आणि ब्लास्टिंग तंत्रज्ञानाच्या सहाय्याने करण्यात आले.

कामगारांच्या सुरक्षेलाही प्राधान्य

खोदकामादरम्यान बोगद्याची स्थिरता आणि सुरक्षितता सुनिश्चित करण्यासाठी अत्याधुनिक उपकरणे आणि मॉनिटरिंग प्रणालींचा वापर करण्यात आला. पृष्ठभागावरील हालचाली, कंपनांची तीव्रता आणि आसपासच्या संरचनांवरील परिणाम यांचे निरीक्षण करण्यासाठी सरफेस सेटलमेंट पॉइंट (एसएसपी), थ्री-डी टार्गेट्स, स्ट्रेन गेज आणि सिस्मोग्राफ यांसारखी उपकरणे बसविण्यात आल्याचे अधिकाऱ्यांनी सांगितले. कामगारांच्या सुरक्षेलाही विशेष प्राधान्य देण्यात आले.

पाच महिन्यांत तीन बोगद्यांचे खोदकाम

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन मार्गावरील एकूण आठ पर्वतीय बोगद्यांपैकी सात पालघर जिल्ह्यात, तर एक गुजरातमधील वलसाड जिल्ह्यात आहे. गेल्या पाच महिन्यांत महाराष्ट्रातील तीन पर्वतीय बोगद्यांचे खोदकाम पूर्ण झाल्याने प्रकल्पाच्या सर्वाधिक आव्हानात्मक भागात उल्लेखनीय प्रगती झाली आहे. बोईसर आणि वापी या महत्त्वाच्या औद्योगिक पट्ट्यातून बुलेट ट्रेन मार्ग जात असून या विभागातील एमटी-८, एमटी-७ आणि एमटी-६ हे तीनही बोगदे यशस्वीरित्या पूर्ण करण्यात आले आहेत.

Lokmat, Mumbai, 03/06/2026
Page No: 7, Size: 17.28cm × 30.77cm

Mumbai-Ahmedabad 'Bullet Train' accelerates; excavation of third mountain tunnel complete

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पातील पालघर जिल्ह्यातील डहाणू तालुक्यातील अंबेसरी गावाजवळील तिसऱ्या पर्वतीय बोगद्याचे (माउंटन टनेल-७) खोदकाम पूर्ण करण्यात आले आहे.

मुंबई-अहमदाबाद 'बुलेट ट्रेन'ला गती; तिसऱ्या पर्वतीय बोगद्याचे खोदकाम पूर्ण

अंबेसरीत ४१७ मीटर लांबी बोगद्यात 'ब्रेकथ्रू' यशस्वी

लोकमत न्यूज नेटवर्क

मुंबई : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पातील महत्त्वाचा टप्पा पार करत पालघर जिल्ह्यातील डहाणू तालुक्यातील अंबेसरी गावाजवळील तिसऱ्या पर्वतीय बोगद्याचे (माउंटन टनेल-७) खोदकाम पूर्ण करण्यात आले आहे. या बोगद्याचा 'ब्रेकथ्रू' यशस्वीरीत्या साध्य झाला असून, त्यामुळे महाराष्ट्रातील प्रकल्पाच्या कामाला आणखी वेग मिळाला आहे.

पालघर जिल्ह्यातील हा बोगदा ४१७ मीटर लांब आणि १४.४ मीटर रुंद असून, बुलेट ट्रेनच्या अप आणि डाऊन अशा दोन्ही मार्गासाठी तयार करण्यात आला आहे. बोगद्याचे खोदकाम दोन्ही बाजूंनी नियंत्रित ड्रिलिंग आणि ब्लास्टिंग तंत्रज्ञानाच्या साहाय्याने करण्यात आले. खोदकामादरम्यान बोगद्याची स्थिरता आणि सुरक्षितता सुनिश्चित करण्यासाठी

अत्याधुनिक उपकरणे आणि मॉनिटरिंग प्रणालींचा वापर करण्यात आला. पृष्ठभागावरील हालचाली, कंपनांची तीव्रता आणि आसपासच्या संरचनांवरील परिणाम यांचे निरीक्षण करण्यासाठी सरफेस सेटलमेंट पॉइंट (एसएसपी), थ्री-डी टार्गेट्स, स्ट्रेन गेज आणि सिस्मोग्राफ यांसारखी उपकरणे बसविण्यात आल्याचे अधिकाऱ्यांनी सांगितले. कामगारांच्या सुरक्षेलाही विशेष प्राधान्य देण्यात आले आहे. बोगद्यामध्ये योग्य वायुवीजन व्यवस्था, अग्निसुरक्षा उपाययोजना, नियंत्रित प्रवेश व्यवस्था आणि सातत्यपूर्ण भू-तांत्रिक निरीक्षणाची अंमलबजावणी करण्यात आली.

पाच महिन्यांत ३ पर्वतीय बोगद्यांचे खोदकाम पूर्ण

१ मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन मार्गावरील एकूण आठ पर्वतीय बोगद्यांपैकी सात पालघर जिल्ह्यात, तर एक गुजरातमधील वलसाड जिल्ह्यात आहे. गेल्या पाच महिन्यांत महाराष्ट्रातील तीन पर्वतीय बोगद्यांचे खोदकाम पूर्ण झाल्याने प्रकल्पाच्या सर्वाधिक आव्हानात्मक भागात उल्लेखनीय प्रगती झाली आहे.

२ बोईसर आणि वापी या महत्त्वाच्या औद्योगिक पट्ट्यातून बुलेट ट्रेन मार्ग जात असून, या विभागातील एमटी-८, एमटी-७ आणि एमटी-६ हे तीनही पर्वतीय बोगदे यशस्वीरीत्या पूर्ण करण्यात आले आहेत.

३ पर्वतीय बोगदे पूर्ण करण्यात आल्यामुळे या मार्गावरील बांधकामांना आणखी गती मिळणार असून, बुलेट ट्रेन प्रकल्पाच्या प्रगतीला मोठे बळ मिळाले आहे, असे प्रशासनाकडून सांगण्यात आले.

1. **Online Media**

Sr. No	Publication	Language	Headline	Weblink
01	The Hindu	English	Mumbai-Ahmedabad bullet train: Tunnel breakthrough achieved in Palghar district; 3rd in 5 months	https://www.thehindu.com/news/national/mumbai-ahmedabad-bullet-train-tunnel-breakthrough-achieved-in-palghar-district-3rd-in-5-months/article71052392.ece/amp/
02	The Indian Express	English	Mumbai-Ahmedabad bullet train project: Third mountain tunnel breakthrough achieved in Palghar	https://indianexpress.com/article/india/mumbai-ahmedabad-bullet-train-project-third-mountain-tunnel-breakthrough-10720345/lite/
03	ET Infra	English	Bullet train project gains speed: Vaishnaw says third tunnel breakthrough achieved in Maharashtra	https://infra.economictimes.indiatimes.com/news/railways/bullet-train-project-gains-speed-vaishnaw-says-third-tunnel-breakthrough-achieved-in-maharashtra/131459888
04	Investment Guru India	English	Maharashtra: Third mountain tunnel breakthrough achieved on Bullet Train corridor	https://investmentguruindia.com/newsdetail/maharashtra-third-mountain-tunnel-breakthrough-achieved-on-bullet-train-corridor455805
05	ABP News	English	Mumbai-Ahmedabad Bullet Train Project Achieves New Milestone With Third Tunnel Breakthrough	https://news.abplive.com/cities/mumbai-ahmedabad-bullet-train-project-achieves-new-milestone-with-third-tunnel-breakthrough-1847744/amp
06	News9live	English	Mumbai-Ahmedabad Bullet Train delay fears ease after tunnel breakthrough	https://www.news9live.com/city/mumbai/bullet-train-project-third-maharashtra-tunnel-breakthrough-ashwini-

				vaishnaw-2976477/amp
07	Daijiworld	English	Mumbai-Ahmedabad Bullet Train project achieves third tunnel breakthrough	https://www.daijiworld.com/index.php/news/newsDisplay?newsID=1316150
08	PSU India	English	Third Mountain Tunnel Breakthrough Achieved in Maharashtra for Bullet Train Project	https://www.psuindia.com/infrastructure/third-mountain-tunnel-breakthrough-achieved-in-maharashtra-for-bullet-train-project-548142
09	Telangana Today	English	Mumbai-Ahmedabad bullet train project achieves third tunnel breakthrough in Palghar	https://telanganatoday.com/mumbai-ahmedabad-bullet-train-project-achieves-third-tunnel-breakthrough-in-palghar
10	The Times of India	English	Mumbai-Ahmedabad bullet train project achieves major milestone as mountain tunnel breakthrough completed	https://timesofindia.indiatimes.com/business/infrastructure/mumbai-ahmedabad-bullet-train-project-achieves-major-milestone-as-mountain-tunnel-breakthrough-completed/articleshow/131458512.cms
11	Deccan Herald	English	Bullet Train: Third mountain tunnel breakthrough boosts Mumbai corridor hub	https://www.deccanherald.com/india/maharashtra/third-mountain-tunnel-breakthrough-achieved-for-mumbai-ahmedabad-bullet-train-project-4024755
12	PIB	English	Third Mountain Tunnel Breakthrough Achieved in Maharashtra for Mumbai–Ahmedabad Bullet Train Project, Marking Rapid Progress in High-speed Rail Section	https://www.pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=2267962&reg=3&lang=2

13	Punjab Kesari English	English	Maharashtra: Third mountain tunnel breakthrough achieved on Bullet Train corridor	https://english.punjabkesari.com/india/maharashtra-third-mountain-tunnel-breakthrough-achieved-on-bullet-train-corridor/amp/
14	Observer Voice	English	Mumbai-Ahmedabad Bullet Train Project Reaches Key Milestone with Completion of Mountain Tunnel Breakthrough	https://observervoice.com/mumbai-ahmedabad-bullet-train-project-reaches-key-milestone-with-completion-of-mountain-tunnel-breakthrough-207871/
15	News18 Hindi	Hindi	Bullt Train Update: बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में बड़ी कामयाबी! महाराष्ट्र में तीसरी पहाड़ी सुरंग बनकर तैयार	https://hindi.news18.com/amp/news/business/railways-mumbai-ahmedabad-bullet-train-3rd-tunnel-completed-in-maharashtra-ws-el-10534453.html
16	DD News	Hindi	मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना को बड़ी सफलता, महाराष्ट्र में तीसरी पर्वतीय सुरंग का निर्माण पूरा	https://ddnews.gov.in/major-milestone-for-mumbai-ahmedabad-bullet-train-project-construction-of-third-mountain-tunnel-in-maharashtra-completed/
17	PIB	Hindi	मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए महाराष्ट्र में तीसरी पर्वतीय सुरंग का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा हुआ, यह उच्च गति रेल खंड में तीव्र प्रगति का संकेत है	https://www.pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=2268037&reg=3&lang=2

18	Jagran	Hindi	मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना को मिली बड़ी सफलता, महाराष्ट्र की तीसरी पर्वतीय सुरंग का ब्रेकथ्रू पूरा - mumbai ahmedabad bullet train project in maharashtra 3rd tunnel breakthrough	https://www.jagran.com/maharashtra/mumbai-mumbai-ahmedabad-bullet-train-project-in-maharashtra-3rd-tunnel-breakthrough-complete-40260398.html
19	Navbharat Times	Hindi	महाराष्ट्र में मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन की तीसरी पहाड़ी टनल की खुदाई पूरी, जानें कितनी लंबी है सुरंग	https://navbharattimes.indiatimes.com/metro/mumbai/other-news/mumbai-ahmedabad-bullet-train-project-third-mountain-tunnel-excavation-completed-in-palghar-maharashtra-nhsrcl-share-latest-updates/articleshow/131457827.cms
20	Prabhat Khabar	Hindi	Railway: बुलेट ट्रेन संचालन की बड़ी बाधा पार, जटिल सुरंगों का निर्माण काम लगभग पूरा	https://www.prabhatkhabar.com/national/railway-bullet-train-operation/amp
21	Navbharat Live	Hindi	महाराष्ट्र में बुलेट ट्रेन को मिली रफ्तार, पालघर की पहाड़ी को चीरकर निकली सुरंग	https://navbharatlive.com/maharashtra/palghar/mumbai-ahmedabad-bullet-train-palghar-tunnel-breakthrough-vapi-boisar-section-1772162.html
22	Sandesh	Gujarati	Bullet Train ની મોટી સફળતા,મહારાષ્ટ્રમાં	https://sandesh.com/india/news/bullet-trains-big-success-excavation-of-417-meter-long-mountain-

			417 મીટર લાંબી પર્વતીય ટનલનું ખોદકામ પૂર્ણ!	tunnel-completed-in-maharashtra#google_vignette
23	Mumbai Samachar	Gujarati	મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન: પાલઘરમાં ત્રીજી ટનલનું ખોદકામ સફળતાપૂર્વક પૂર્ણ	https://bombaysamachar.com/news/mumbai-ahmedabad-bullet-train-palghar-mountain-tunnel-excavation
24	રખેવાળ	Gujarati	પાલઘરમાં ત્રીજી પર્વતીય ટનલનું બાંધકામ પૂર્ણ; રેલવેએ 5 મહિનામાં ત્રણ ટનલ બનાવી	https://www.rakhewaldaily.com/news/bullet-train-project-construction-of-third-mountain-tunnel-completed-in-palghar-railways-built-three-tunnels-in-5-months